

हृदय और धड़कन



वर्ष-9, अंक-107, नवंबर 20, 2018

CIMS
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. चिनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. पिपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केतुर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उमिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बह्नी	+91-98250 30111
डॉ. अनिरु चंदारणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नार्यक	+91-98250 82666

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरज शाह	+91-98255 75933
डॉ. धरल नाथक	+91-90991 11133
डॉ. उमिल चंदन	+91-96990 84097

पिडियाट्रिक और स्ट्रुक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. रीनक शाह	+91-98250 44502
--------------	-----------------

कार्डियोवास्कुलर, थोरासी और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रमद मोदी	+91-99240 84700
----------------	-----------------

कार्डियाक एनेस्थेसिस्ट

डॉ. चितन शेट	+91-91732 04454
डॉ. निरन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिनन पोलकिपा	+91-95863 75818

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. कश्यप शेट	+91-99246 12288
डॉ. दिव्येश सादवीगला	+91-82383 39980
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

नियोनेटोलोजिस्ट और

पिडियाट्रिक इन्टेन्सिविस्ट

डॉ. अमित चितलीवा	+91-90999 87400
------------------	-----------------

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नार्यक	+91-98250 82666
डॉ. चिनीत सांखला	+91-99250 15056

मोटापा (ओबेसिटी)

शरीर में अत्यधिक मात्रा में चर्बी होती है, तो इस स्थिति को मोटापा कहते हैं। इस के तीन प्रकार होते हैं।

- हल्का मोटापा - सामान्य वजन से २० से ४० प्रतिशत अधिक वजन
- मध्य मोटापा - सामान्य वजन से ४० से १०० प्रतिशत अधिक वजन
- अत्यधिक मोटापा - सामान्य वजन से १०० प्रतिशत से अधिक वजन

शरीर के आदर्श वजन का आधार लम्बाई, शरीर का कद (built), माप, और जाति पर आधारित हैं। आदर्श वजन का चांदा बनाया गया है।

मोटापा और उच्च रक्त चाप

मोटे लोगों का रक्त चाप ऊंचा रहता है। उच्च रक्त चाप से हृदय के कार्य पर जोर पड़ता है। अत्यधिक दबाव के कारण हृदय की मांसपेशियां मोटी हो जाती हैं। इस कारण हृदय के सिकुड़ने के कार्य पर विपरीत असर होता है और हृदय का सामान्य काम-काज ठीक से नहीं होता।

उच्च रक्त चाप के कारण हृदय पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव को वजन घटाकर सुधारा जा सकता है। साथ ही कई बार दवाई की जरूरत भी पड़ती है।

मोटापा और डायबिटीज़

मोटापे के कारण डायबिटीज़ होने की संभावना बढ़ जाती है और डायबिटीज़ से हृदय रोग और उच्च रक्त चाप की संभावना बढ़ जाती है।

इस आहार के वजन	यह आहार कैसे करो
दूध	मलाई बिना का दूध
पानक पनीर	उबले सब्जियां
दूधलाईवा (शक्कर वाला)	घृत फल डिब्बों के साथ
केच टोमट	कॉलेजियल रोस्टिंग
अमरुत	उबला अंडा
सबुजी	फली छान
केक	सब्जी केड
पाजर का हलवा	पाजर का सलाद
आमराजी	फलों का रस
बटर मल	सब्जी मल
ओला	इडली



इतना सब खाओ



Obesity

और वजन कटो से घबराओ



मोटापा और हृदय के रोग

जिस प्रकार शरीर का वजन बढ़ता है शरीर में रक्त संचार की मात्रा भी बढ़ जाती है। अत्यधिक वजन के कारण आराम के समय भी हृदय को काम करना मुश्किल पड़ता है। हृदय के (वेन्ट्रिकल्स) खींचकर चौड़े हो जाते हैं।

मोटापे के कारण अन्य तकलीफें

बहुत से मोटे लोगों को श्वास की तकलीफ होती है - विशेष रूप से जब ये सोधा सोते हैं। मोटे पेट के कारण डायफ्राम (पेट और छाती के बीच वाले स्नायु) के काम में रुकावट आ जाती है।

क्या मोटापे के कारण दिल का दौरा पड़ सकता है?

मोटापा कोरोनरी हृदयरोग के साथ से संबंधित एक खूब खतरनाक तत्व है। मोटापे के कारण दिल का दौरा पड़ सकता है।

वजन बढ़ने के कारण

- वंशानुगत कारण। (hereditary)
- भोजन की आदतें। (eating habits)
- शारीरिक श्रम।
- एन्डोक्राइन (हॉर्मोन्स) पैक्टर।
- चोट।
- समृद्धि
- दूरी आदतें

अधिक वजन नापने के मापदंड

- ऊंचाई के अनुरूप शरीर का वजन
- बोडो मास इंडेक्स (बी.एम.आई)
- कमर से कूल्हों का रेशियो।
- डेन्सिटी मेथड।
- बाँड़ी कंपोजिशन एनालिसिस

नोट : प्रत्येक व्यक्ति का शरीर उसका मेटाबोलिज्म, खाने - पीने की आदतें, शारीरिक परिश्रम और खाने की पसंद अलग - अलग होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति के डाइट प्लान भी अलग - अलग

होते हैं। आप वजन कम करने के लिए अपने डॉक्टर या डायटीशियन को सलाह ले सकते हैं, जिससे किसी प्रकार की कमजोरी महसूस नहीं हो इस प्रकार आप बहुत वजन कम कर सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

मोटापा किस प्रकार कम किया जाय

वजन घटाने के लिए खाने में आप कितनी मात्रा में और किस प्रकार का खाना खाते हैं, इस बात को नियंत्रण में रखने का समावेश होता है। अर्थात् कम कैलोरी वाला भोजन खाना और चरबीवाले अथवा ज्यादा

कैलोरी वाले भोजन को टालना चाहिए।

वजन घटाने के लिए आदतों में बदलाव बहुत जरूरी है, जिसमें निम्न बातों का समावेश होता है

- आपको स्वयं के स्वास्थ्य की समझ
- पोष्टिक भोजन की आदतें
- अपने बनाए हुए कार्यक्रम का अनुसरण करने पर इनाम की योजना
- रोजाना के शारीरिक श्रम में बढ़ोतरी

वजन कम करने के लिए भोजन में पूर्ण पोषण उपलब्ध करना, अलग अलग प्रकार का अच्छा भोजन लेना और कैलोरी में कमी करना बहुत जरूरी है। यह काम चरबी की मात्रा को नियंत्रित करने से (खास तौर से एक ही प्रकार की चरबी का भोजन में उपयोग कम करने से) होता है। गर्भवती महिलाओं को वजन कम करने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए।

वजन कम करने का सबसे असरदार उपाय है खाने में परिवर्तन करना एवं शारीरिक परिश्रम को। एसी आदतें जो वांछनी की जिंदगी में निभाई जा सकें, उनको अपने जीवन में समावेश करना। अच्छे से अच्छा भोजन जो आपका वजन धीरे-धीरे पर समान रूप से कम करे, एवं जिससे आपको आपका वजन कम करने का लक्ष्य प्राप्त हो वही भोजन उचित है। आपके स्वास्थ्य सलाहकार से वजन घटाने का सुरक्षित, स्वस्थ तथा असरकारक कार्यक्रम पूछें।



स्वास्थ्य के लिए
हानिकारक आहार



वजन कम करने के लिए आहार का चुनाव

आहार के लिए एक डावरी रखें। आप जो कुछ भी खायें अथवा पीयें वह उसमें लिख लें। इसके लिए जेब में रखने वाली छोटी डावरी काफी मददगार साबित होगी। आप जो कुछ भी खायें और पीयें, डावरी आपके खाने की आदतें और भोजन शैली की जानकारी देने में मदद करेगी।



एक हार्ट सर्जन का

एक्सोडेंट हुआ,

उनको पत्नी उन्हें

नजदीक के एक

हॉस्पिटल में ले गई। उस

हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जन

ने रोगी की जांच कर

उनकी पत्नी से कहा '

आपके पति के सर पर

बहुत सख्त चोट लगी है,

पर हम हमारी नई खोज

से मस्तिष्क का

ट्रांसप्लान्ट कर सकते

हैं। उसकी फी बताने के

लिए आपको बुलाया है,

सादे डॉक्टर का

मस्तिष्क लगाने का

₹०,००० रुपये, विशेषज्ञ

का मस्तिष्क लगाने का

₨०,००० रुपये, और हार्ट

सर्जन का मस्तिष्क

लगाने का ₹०,००,०००

रुपये होगा।" ये हार्ट

सर्जन का मस्तिष्क इतना

महंगा क्यों?" अरे बहन

आपको क्या पता, एक

हार्टसर्जन का मस्तिष्क

लेने के लिए हमको दस

डॉक्टरों के सर फोड़ने

पड़ते हैं।'



वजन को स्वस्थ तरीके से कम करने के लिए निम्नलिखित नियमों का पालन करें

- असंमित सब्जी व सलाद का महत्तम उपयोग करें
- अगर आप मौसमहारी हैं तो निम्न आहार उपयुक्त रहेगा सिका हुआ और उबला हुआ मीठ, मछली और मुर्गी
- तैयार किया हुआ सलाद जिसमें तेल का बिल्कुल उपयोग नहीं हुआ हो

हरोरों, पर सीमित मात्रा में उपयोग करें

- कम चरबी (डब्बू) व बिना मलाई का दूध, पनीर और दही
- दालें (मसूर को दाल, मटर, मकई के दाने)
- कच्चे फल

निम्नलिखित वस्तुओं का उपयोग कम से कम करें

शुद्ध कार्बोहाइड्रेट (शक्कर, शक्कर उपयोग में लिए गए पदार्थ, शुद्ध अनाज की उपज, यानी कि सफेद चावल, सफेद आटा, मैदा इत्यादि।) इसके अलावा ऐसे कई कारण हैं जो हृदयरोग के लिए खतरनाक कारण बन सकते हैं।

निम्न वस्तुओं का उपयोग टालना

- बराबर फेंटी हुई चरबी जैसे मक्खन
- मार्जरीन और मॉस पर चढ़ी हुई चरबी
- मिठाई, केक, चीज
- तले हुए व्यंजन
- प्रोसेस्ड किया हुआ मांस



कैलरी कैसे गिनें?

कैलरी भोजन में से मिलती ऊर्जा का मूल्य बताने वाला



एक व्यापारी को पत्नी के

पांव की हड्डी टूट गई।

व्यापारी ने शहर के

सबसे होशियार

ओर्थोपेडिक सर्जन के

पास टूटी हुई हड्डियों

को जोड़ने के लिए स्क्रू

रखवाकर ऑपरेशन

करवाया। ऑपरेशन

सफल रहा। और डॉक्टर

ने व्यापारी को ₹१,०००

रुपये का बिल पकड़ा

दिया

व्यापारी को बिल बहुत

अधिक लगा और वह

गुस्से हो गया। उसने

डॉक्टर से प्रत्येक वस्तु

का ब्योरेवर बिल भेजने

को कहा डॉक्टर ने निम्न

ब्योरे से बिल भेजा

• स्क्रू १ नम : ₹००/-

• स्क्रू किस तरह रखना

ये जानने के और

अनुभव के : ₹००/-

• एनेस्थीसिया (बेहोश

करने का) : ₹०००/-

• एनेस्थीसिया के

बाद वापस होश में

लाने का : ₹०००/-

व्यापारी ने तुरंत पैसे

चुका दिए।



नाप है। आपका शरीर शारीरिक कार्यों को करने के लिए कैलरी का उपयोग करता है। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट व चर्बी वाली खुराक में से कैलरी मिलती है। वजन कम करने के लिए आप जिस भोजन को खाते हैं उसमें से पोषक तत्वों को कम किए बिना कैलरी की मात्रा कम करें, और शारीरिक श्रम बढ़ा कर कैलरी नष्ट करना शुरू करें।

प्रतिदिन ५०० कैलरी कम खाने से एक सप्ताह में १ पाउंड वजन

कम होता है। एक सप्ताह में एक

अथवा डेढ़ पाउंड (अधिक से अधिक २

पाउंड) वजन घटाना जा सकता है।

अगर इससे अधिक वजन घटाना शुरू

किया तो चर्बी की बजाए स्नायु घटने

शुरू हो जाएंगे, जो हानिकारक है।

अधिकतर आहार विशेषज्ञ वजन

कम करने के लिए प्रतिदिन स्त्रियों के

लिए १२०० से १५०० कैलरी व पुरुषों

के लिए १५०० से १८०० कैलरी लेने

की सलाह देते हैं। आपको एक दिन में

कितनी कैलरी की आवश्यकता है, इसके लिए अपने स्वास्थ्य सलाहकार

अथवा अपने आहार विशेषज्ञ को

सलाह लें।

आप जिस मात्रा में वजन घटाते

हैं वह आपके शरीर के मेटाबोलिज्म

(Metabolism) की मात्रा पर

निर्भर करता है। यह मात्रा आपके

शरीर की प्राथमिक शारीरिक

क्रियाओं के लिए आहार

द्वारा उपयोग में ली जाने वाली शक्ति के आधार पर निर्भर करती है। मेटाबोलिज्म शारीरिक क्रियाओं के द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

वजन कम करने वाले आहार लेने के प्रारम्भ में शीघ्रता से वजन कम होना शुरू होता है, क्योंकि यह शरीर में एकत्रित अतिरिक्त पानी को अलग करता है।

आप जब भोजन कर रहें हों तब आराम से बैठ कर खाएं। फोन व टीवी जैसे अस्वस्थ करने वाले उपकरणों का उपयोग टालें। भोजन

संपूर्ण चबाकर खाने से पाचन क्रिया में मदद मिलती है।

दिन में तीन बार संपूर्ण भोजन करने से अच्छा है छोटे-छोटे

आहार अनेक बार लेना। आपको हर 4 से 5 घंटे के अन्तर से भोजन करना चाहिए, यह रक्त में शक्कर को मात्रा को नियंत्रण में रखता है, और भूखा रहने के अहसास में मदद करता है। भोजन मिठाई के स्थान पर एक फल के टुकड़े से समाप्त करें।

नाप के लिये गये भोजन में भी कम से कम मात्रा में आहार लेना चाहिए।

लोकप्रिय आहार

लोकप्रिय आहार कई बार खतरनाक हो सकते हैं, उन्हें कई समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

- अधिक प्रोटीन वाले आहार
- निश्चित खुराक वाले आहार
- कैलरी - जागृति के व्यवसायिक कार्यक्रम

अधिक प्रोटीन वाले आहार में प्रारम्भ में शोथता से वजन कम होता है। ऐसे आहार में अधिक प्रोटीन वाले भोजन को स्वीकृत दी जाती है। अल्प मात्रा में भी कार्बोहाइड्रेट युक्त पदार्थों का समावेश



स्वीकार्य नहीं है।

अमेरिका की फेडरल ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने ऐसे आहारों को बताया है, जिनके कारण काफी गंभीर व तीव्र बीमारी फैलीं और हॉस्पिटल में भर्ती करने की जरूरत पड़े। इसमें से कुछ आहार तो दस्त, रुग्णावस्था का एहसास, खूब पसीना, सिर में दर्द व गठिया जैसे रोगों का कारण बन सकते हैं।

कम कैलरी वाला आहार और पूर्ण व्रत (दिनभर में 500 कैलोरी से कम खाना) सामान्यरूप से आत्मघाती है। यह डॉक्टर की देखरेख में ही होना चाहिए।

प्रोटीनरहित मोडिफाइड फास्टिंग

अपने आदर्श वजन से 30 से 40 प्रतिशत अधिक वजन वाले व्यक्तियों को 'प्रोटीन स्पेरिंग मोडिफाइड फास्टिंग' पर रखा जाता है। इस आहार को सिफारिश करने से पहले आपका स्वास्थ्य सलाहकार आपकी कार्डियोस्केलर पद्धति का प्रमाण नापेगा। अगर आप इस आहार का पालन कर रहें हों तो आपको स्वास्थ्य सलाहकार के निरीक्षण में रहना लाभदायक है।

सोजन दिल से - लेखक : डॉ. केयूर परीख

ब्लड प्रेशर के बारे में जाने



ब्लड प्रेशर क्या है ?

खून की नली में जो दबाव से खून चलता हो और उस की वजह से खून नली की दीवार पर जो दबाव आता है, उसे ब्लड प्रेशर कहते हैं।

यहां जरूर दिखावे गये हैं
दो निस्टोलिक दबाव हैं और
एक हृदय धड़कता है जब धमनीको
से चलता जो खून को दबाते हैं।



ये दबाव को हाईड्रोलिक प्रेशर योने है
और हृदय को दो धातुओं के बीच से लपटें,
जब हृदय गतिमान हो, तब धमनीयोंने
से चलते खून को दबाते हैं।



बसब नीकले, बदले में और हाई ब्लड प्रेशर,
आपके हृदय को, रक्तवाहिनीयों और
किन्हीं को कमजोर कर देता है,
उसके धमनियों को वा
हाई ब्लड प्रेशर अपने की संभावना बढ़ जाती है।

8 ब्लड प्रेशर कम करने और तंदुरुस्त रहने के लिए जीवनशैली में बदलाव लाना जरूरी है

1. हृदय को मजबूत करने के लिए व्यायाम करें।
2. लोचक भोजन को पसंद करें और अधिक को खाने कम करें।
3. शक्कर को कम करें, जो एक प्रकार से हृदय को कमजोर करता है।
4. शक्कर को कम करें, जो एक प्रकार से हृदय को कमजोर करता है।
5. शक्कर को कम करें, जो एक प्रकार से हृदय को कमजोर करता है।
6. शक्कर को कम करें, जो एक प्रकार से हृदय को कमजोर करता है।
7. शक्कर को कम करें, जो एक प्रकार से हृदय को कमजोर करता है।
8. शक्कर को कम करें, जो एक प्रकार से हृदय को कमजोर करता है।

24 x 7

जय इमरजन्सी हो, तब सीम्स
इमरजन्सी : +91-97234 50000 | एम्बुलेंस : +91-98244 50000
मेडिकल हेल्पलाइन : +91-70 69 00 00 00

Courtesy :
CardioSmart
American College of Cardiology



सीम्स रुमेटोलोजी

अत्याधुनिक डिपार्टमेंट आपको रुमेटोलोजी की समस्याओं की निदान के लिए विशेषज्ञ की सलाह और हर एक अध्ययन सुविधाएँ पूरी करता है।

आपको कब रुमेटोलोजीकी सलाह लेनी चाहिए ?

- अगर आपको ६ सप्ताह से जोड़ोंमें दर्द होता हो
- अगर आपको जोड़ोंमें सूजन हो
- अगर आपको जोड़ों में सुबह ३० मिनट से ज्यादा समय तक जकड़ जाता हो
- अगर आपके कमर या गरदन में हर रोज दर्द होता हो
- अगर आपके जोड़ों में दर्द होने के कारण पेन-किलर की जरूर होती हो
- अगर आपके युरीक असीडका प्रमाण दर उच्च हो एवं गटिया के दर्द से पीड़ित हो
- अगर आपकी त्वचा में चकते हो जाते हो जो सूर्यप्रकाश के संपर्क में आने से बढ जाता हो



सीम्स पल्मोनरी

खरोंटे एवं स्लीप एपनीया सिन्ड्रोम - एक गंभीर बिमारी है

माना जाता है कि जोर से खरोंटे लेना बहुत अचूक निशानी है, पर वो सच नहीं है। खरोंटे वो स्लीप एपनीया नाम की गंभीर बीमारी का लक्षण है। अगर स्लीप एपनीया का इलाज नहीं करते हो तो आपको चहड पेशा, हावावीटीस, स्ट्रोक एवं मेडिस्टीनैल्युजर, स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियाँ हो सकती है, कभी इस बीमारी के कारण नींद में हलचल भी बंध पड़ सकता है।

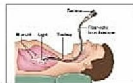
अगर आपको नीचे दिखाये गये लक्षणों अनुभवता होता हो तो सीम्स पल्मोनरी विभागमें निष्ठा डॉक्टर की सलाह लो

- जोर से खरोंटे बोलना
- धोड़े देर बाद खरोंटे बंध हो के चालू होना
- नींद में गमराहट होनी
- सुबह में सिर दर्द होना
- सुबह में उब या सुलता महसूस करना
- पूरे दिन नींद आना या अर्ध-नींद में झुपकी आना
- वैनिटिन कार्यों में ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होनी
- रात के दौरान बार बार पेशाब के लिए जाना
- डिप्रेशन
- नपुंसकता



खरोंटे एवं स्लीप एपनीया सिन्ड्रोम की सारकार के साथ पल्मोनरी विभाग में नीचे दर्शाये गये बिमारी का समावेश होता है।

- अस्थमा
- खोड़ी पीने से होने वाला दम
- पल्मोनरी काईनेसीस
- न्यूमोनिया एवं किसी भी प्रकार का फेफड़े का इन्फेक्शन
- सामान्य एवं भार टीबी
- फेफड़े में पानी भर जाना
- पल्मोनरी हाइपरटेन्शन
- अन्य सामान्य या जटिल फेफड़े की बिमारियाँ



अपॉइन्टमेंट के लिए फोन : +91-79-3010 1008 | मोबाईल +91-98250 66661

समय : सुबह 09:00 से शाम 07:00 तक (सोम से शनि) | ईमेल : opd.rec@cimshospital.org



सीम्स हॉस्पिटल



गुजरात की सबसे बड़ी प्राइवेट हॉस्पिटल में से एक
गुजरात की सबसे विश्वास पात्र मेडीकल ग्रुप एवं २० साल का अनुभव



सीम्स हॉस्पिटल में दो मरीजों की जागृत अवस्था में ब्रेन ट्यूमर सर्जरी (क्रानियोटोमी)



हम राज्य चिकित्सा इतिहास में ख्याति स्थापित करने के लिए
सीम्स न्यूरो साइंस टीम (डॉ. टी.के.बी. गणपथी एवं डॉ. वेवेन जवेरी) और सीम्स एनेस्थेसिस्ट्स टीम को बधाई देते हैं।

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20th of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under

Postal Registration No. **GAMC-1730/2016-2018** issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018

Licence to Post Without Prepayment No. **PMG/HQ/084/2018-20** valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-72

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केल वा चेक/डीडी सीम्स हॉस्पिटल प्रा. लि. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेंट, सीम्स अस्पताल, शुक्ल मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दें । फोन नं. : +91-79-3010 1069/1060



क्या आप हृदय (हार्ट) का कैल्शियम स्कोर जानते हो ? अपना कोरोनरी आर्टिनी का कैल्शियम स्कोर जानें (CT Angio)



कोरोनरी आर्टिनी का कैल्शियम स्कोर (CAC)

निरोगी व्यक्तियों में

भविष्य में हृदय संबंधी घटनाओं के लिए

जोखिम मूल्यांकन के लिए सबसे निश्चित परीक्षण है ।

अगर आप निरोगी हो तथा आपके अपने हृदय में जमी हुई
कैल्शियम युक्त कोलेस्ट्रॉल की मात्रा जाननी हो तो आज ही

अपना कोरोनरी आर्टिनी का

कैल्शियम स्कोरींग (CAC) करवाये ।

अपॉइन्टमेंट के लिए फोन करे +91-79-3010 1008

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमंत चव्हाण ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम चिट्ठरी, 15/1, नामोरी एस्टेट, ई.एस.आई. डिस्ट्रिक्ट, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुक्ल मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।